प्रतिदर्श प्रश्न-पत्र-4 कक्षा-दशमी

समय 3 घंटे 25.8.14 अधिकतम अंक 90

खंड 'क'

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से चुनकर लिखिए।

दरअसल हम अपनी समस्याओं की चर्चा बहुत बढ़ा-चढ़ा कर करते हैं। समस्याएँ आने पर हम दूसरों की सहानुभूति चाहते हैं। लेकिन सहानुभूति या दया से कोई समस्या हल नहीं होती। हम मुश्किलों का रोना रोते हैं, लेकिन कभी समाधान के बारे में नहीं सोचते। दरअसल हम हथियार डालते हुए यह मान लेते हैं, जैसे बड़ी भारी मुसीबत आ गई हो। दिन-रात इसी मुसीबत के बारे में सोचते रहते हैं। इस तरह समस्या पूरी तरह हमारे दिलो-दिमाग पर छा जाती है। इस पूरी प्रक्रिया में स्वयं द्वारा किए गए कार्यों का मूल्यांकन करना भूल जाते हैं। यदि ऐसा करें, तो हो सकता है कि ऐसी स्थिति से बाहर निकलने में मदद मिल जाए। परिस्थितियों का ठीक-ठीक मूल्यांकन करके आप आसानी से समाधान तक पहुँच सकते हैं। किसी भी समस्या का हल उसकी जड़ में होता है। यदि आप गलत नहीं हैं, तो हताशा से उबरने के लिए साहस से काम लीजिए। सफलता की सड़क पर चलने के दौरान केवल एक पत्थर का टुकड़ा उठाकर नहीं फेंकते, बल्कि एक तरह से पहाड़ तोड़ने का काम करते हैं।

(क) किस उपाय से हमारी समस्या सुलझ सकती है? 1

(i) परिस्थितियों के आगे घुटने टेक कर (ii) समस्या के बारे में सोचकर
(iii) परिस्थितियों का सही मूल्यांकन कर (iv) परिस्थितियों से हताश होकर

(ख) 'हथियार डालना' का अर्थ है: 1

(i) डर कर बैठ जाना (ii) सहायता बंद करना
(iii) हार मान लेना (iv) प्रयत्न करना

(ग) हमें साहस की आवश्यकता किसलिए पड़ती है? 1

(i) उन्नति करने के लिए (ii) पत्थर के टुकड़े उठाने के लिए
(iii) हताशा से उबारने के लिए (iv) विचलित होने के लिए

(घ) सफलता का विशेषण क्या है? 1

(i) असफलता (ii) परिणाम
(iii) सफल (iv) योग्य

(ङ) गद्यांश का उचित शीर्षक क्या होगा? 1

(i) साहस (ii) समाधान
(iii) समस्याएँ (iv) जीवन में समस्याएँ

प्रश्न 2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से चुनकर लिखिए।

गिनीज बुक स्वयं में एक रिकार्ड है क्योंकि यह 100 से अधिक देशों में 37 से भी अधिक भाषाओं में छप चुकी है। यह दुनिया की सर्वाधिक बिकने वाली पुस्तक है जिसकी अब तक 100 मिलियन से अधिक प्रतियाँ बिक चुकी हैं।

गिनीज बुक के प्रकाशन को 50 वर्ष पूरे हो चुके हैं। गिनीज बुक के जन्म के पीछे एक रोचक किस्सा है। बात नवंबर 1951 के किसी दिन की है। गिनेस ब्रअरि के प्रबंध निदेशक सर ह्यू बीवर आयरलैंड में स्लोब हिल पर सुनहरी बटानों का शिकार करने के लिए निकले थे। पक्षी की गति तेज होने से कुछ लोगों के निशाने चूक गए

और बहस छिड़ गई कि बटान यूरोप का सबसे तेज गति से उड़ने वाला पक्षी है या नहीं। लेकिन इसका कोई नतीजा नहीं निकला। ऐसे में बीवर के मस्तिष्क में यह बात आई कि क्यों न एक ऐसी पुस्तक का प्रकाशन किया जाए जो लोगों की जिज्ञासाओं को शांत करे और प्रामाणिक भी हो। योजना को साकार करने के उद्देश्य से 12 सितंबर 1954 को लंदन में इसके कार्यालय का उद्घाटन हुआ। इसमें मुख्य भूमिका निभाई जुड़वाँ भाइयों ने जिनके नाम थे नारिस और रास मैक विर्टर। गिनीज बुक में स्थान पाने के लिए मशक्कत करनी पड़ती है। न्यूयॉर्क के अश्रिता पारमन ने 109 स्थानों पर अपना नाम दर्ज कर अपना रिकार्ड बनाया। उनका नाम 93 पुराने रिकार्डों को तोड़ने पर तथा 26 नए रिकार्ड बनाने के लिए दर्ज किया गया।

(क) गिनीज बुक का प्रथम प्रकाशन कहाँ हुआ? 1

(i) न्यूयॉर्क (ii) फ्रांस

(iii) आयरलैंड (iv) लंदन

(ख) गिनीज बुक में स्थान पाने के लिए क्या करना पड़ता है? 1

(i) परिश्रम (ii) कोशिश

(iii) मशक्कत (iv) उपर्युक्त सभी

(ग) गिनीज बुक में मुख्य भूमिका निभाने वाले भाइयों के नाम– 1

(i) मार्क वा और स्टीव वा (ii) नारिस और रास

(iii) इयान चैपल और ग्रेग चैपल (iv) एडम होलिओक और वैन होलिओक

(घ) गिनीज बुक कितने देशों में और कितनी भाषाओं में प्रकाशित हो रही है? 1

(i) 37 देश 100 भाषाएँ (ii) 109 देश 26 भाषाएँ

(iii) 100 देश 37 भाषाएँ (iv) 100 देश 100 भाषाएँ

(ङ) न्यूयॉर्क के पारमन ने कितने नए रिकार्ड बनाए हैं? 1

(i) 37 (ii) 129

(iii) 50 (iv) 26

प्रश्न 3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से छाँटकर लिखिए।

युग-युग तक चलती रहे कठोर कहानी,
रघुकुल में थी एक अभागिन रानी
निज जन्म-जन्म में सुने जीव यह मेरा
धिक्कार! उसे था महास्वार्थ ने घेरा।
''सौ बार धन्य वह एक लाल की माई
जिस जननी ने है जना भरत-सा भाई
पागल-सी प्रभु के साथ सभा चिल्लाई
''सौ बार धन्य वह एक लाल की माई।''

(क) रघुकुल की अभागिन रानी कौन थी? 1

(i) केकैयी (ii) सुमित्रा

(iii) उर्मिला (iv) कौशल्या

(ख) किस जननी ने भरत-सा भाई जना? 1

(i) कौशल्या ने (ii) सुमित्रा ने

(iii) केकैयी ने (iv) सावित्री ने

(ग) काव्यांश की भाषा कौन-सी है? 1

(i) ब्रज (ii) खड़ी बोली हिंदी

(iii) मैथिली (iv) अवधी

(घ) प्रभु शब्द का प्रयोग किसके लिए हुआ है? 1

(i) राम के लिए (ii) लक्ष्मण के लिए

(iii) भरत के लिए (iv) किसी अन्य के लिए

(ङ) निम्न में विशेषण शब्द कौन-सा है? 1

(i) कठोरता (ii) अभागिन

(iii) धिक्कार (iv) स्वार्थ

प्रश्न 4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से चुनकर लिखिए।

यह कैसा कोलाहल, कैसा कुहराम मचा
है शोर डालता कौन, आज सीमाओं पर?
यह कौन हठी जो आज उठाना चाह रहा
हिम मंडित प्रहरी अपनी क्षुद्र भुजाओं पर?
मैं भारत माँ अपने आँगन में बैठ सुनाती हूँ लोरी
निज नन्हीं-मुन्नी फसलों को सहलाती हूँ
जीवन के मीठे मादक गीत सुनाती हूँ
पतझड़ में भी मधुऋतु लाने को आतुर हूँ
रेतीले टीलों पर मधुमास बुलाती हूँ।
भाखड़ा बनाती हूँ नंगल, चंबल के साज सजाती हूँ
अपनी अमराई में कोयल बन गाती हूँ।

(क) काव्यांश में 'हठी' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है? 1

(i) भारतीय (ii) ज़िद्दी व्यक्ति के लिए

(iii) बुजुर्ग व्यक्ति के लिए (iv) शत्रु के लिए

(ख) अपनी भारत माँ के आँगन की क्या विशेषता है? 1

(i) सबको रहने की जगह देती है (ii) सबको प्यार करती है

(iii) सबको समस्याएँ देती है (iv) सबको खाना खिलाती है

(ग) हिम मंडित शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है? 1

(i) शिवालिक (ii) सतपुड़ा

(iii) हिमालय (iv) विंध्याचल

(घ) 'भाखड़ा' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है? 1

(i) नदी (ii) पुल

(iii) पर्वत (iv) बाँध

(ङ) काव्यांश की भाषा कौन-सी है? 1

(i) अवधी (ii) भोजपुरी

(iii) संस्कृत (iv) खड़ी बोली हिंदी

खंड 'ख'

प्रश्न 5. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का परिचय दीजिए। 1 ×4 = 4

(क) निधि धीरे-धीरे बोलती है।

(ख) पक्षी आकाश में उड़ रहे हैं।

(ग) मीता ऑफिस आ गई है।

(घ) मैंने कहानी लिख ली थी।

प्रश्न 6. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। 1 ×3 = 3

(क) सत्य बोलो परंतु कटु सत्य मत बोलो। वाक्य किस वाक्य भेद से संबंधित है?

(ख) मैं अपना शेष जीवन गाँव में गुजारूँगा। वाक्य को संयुक्त वाक्य में बदलें।

(ग) पीले सूट वाली लड़की को बुलाओ। वाक्य को मिश्र वाक्य में बदलें।

प्रश्न 7. निम्नलिखित वाक्यों के वाच्य निर्देशानुसार बदलें। 1 ×4 = 4

(क) कबीर दौड़ता है। (भाववाच्य में)

(ख) मैंने कहानी लिखी। (कर्तृवाच्य में)

(ग) सुरेंद्र पुस्तक पढ़ता है। (कर्मवाच्य में)

(घ) थोड़ी देर सो लिया जाए। (भाववाच्य में)

प्रश्न 8. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

(क) श्रृंगार रस क्या है? इसका कोई एक उदाहरण दीजिए। 2

(ख) बालधी बिसाल, विकराल, ज्वाल-जाल मानो,

लंक लीलिबे को काल रसना पसारी है। पंक्ति में निहित रस लिखिए। 2

खंड 'ग'

प्रश्न 9. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 5

ऊपर की तसवीर से यह नहीं माना जाए कि बालगोबिन भगत साधु थे। नहीं, बिलकुल गृहस्थ! उनकी गृहिणी की तो मुझे याद नहीं, उनके बेटे और पतोहू को तो मैंने देखा था। थोड़ी खेतीबारी भी थी, एक अच्छा साफ़-सुथरा मकान भी था।

किंतु, खेतीबारी करते, परिवार रखते भी, बालगोबिन भगत साधु थे- साधु की सब परिभाषाओं में खरे उतरनेवाले। कबीर को 'साहब' मानते थे, उन्हीं के गीतों को गाते, उन्हीं के आदेशों पर चलते। कभी झूठ नहीं बोलते, खरा व्यवहार रखते। किसी से भी दो-टूक बात करने में संकोच नहीं करते, न किसी से

खामखाह झगड़ा मोल लेते। किसी की चीज़ नहीं छूते, न बिना पूछे व्यवहार में लाते। इस नियम को कभी-कभी इतनी बारीकी तक ले आते कि लोगों को कुतूहल होता!- कभी वह दूसरे के खेत में शौच के लिए भी नहीं बैठते! वह गृहस्थ थे; लेकिन उनकी सब चीज़ 'साहब' की थी। जो कुछ खेत में पैदा होता, सिर पर लादकर पहले उसे साहब के दरबार में ले जाते- जो उनके घर से चार कोस दूर पर था- एक कबीरपंथी मठ से मतलब! वह दरबार में 'भेंट' रूप रख लिया जाकर 'प्रसाद' रूप में जो उन्हें मिलता, उसे घर लाते और उसी से गुज़र चलाते!

(क) बालगोबिन भगत किसे साहब मानते थे?

(ख) साहब का दरबार बालगोबिन के गाँव से कितना दूर था?

(ग) बालगोबिन भगत का आदर्श कौन था?

(घ) 'कबीरपंथी' से क्या तात्पर्य है?

(ङ) 'गुजर चलाना' का क्या अर्थ है?

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए। **$2 \times 5 = 10$**

(क) भगत ने अपने बेटे की मृत्यु पर अपनी भावनाएँ किस तरह व्यक्त कीं?

(ख) लेखक को नवाब साहब के किन हाव-भावों से महसूस हुआ कि वे उनसे बातचीत करने के लिए तनिक भी उत्सुक नहीं हैं?

(ग) बालगोबिन की मृत्यु को गौरवशाली मृत्यु कैसे कहेंगे?

(घ) हालदार साहब भावुक क्यों हो उठे?

(ङ) फ़ादर का हिंदी प्रेम पाठ के किन प्रसंगों से उजागर होता है?

11. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए एवं उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **5**

ऊधौ, तुम हौ अति बड़भागी।
अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी।
पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।
ज्यौं जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी।
प्रीति-नदी मैं पाऊँ न बोरयौ, दृष्टि न रूप परागी।
'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी।।

(i) 'अति बड़भागी' में निहित व्यंग्य-भाव को स्पष्ट कीजिए।

(ii) उद्धव के व्यवहार की तुलना किससे की गई है?

(iii) 'अपरस रहत सनेह तगा तैं' - सौभाग्य है या दुर्भाग्य? स्पष्ट कीजिए।

(iv) 'गुर चाँटी ज्यौं पागी' में किस भाव की अभिव्यक्ति हुई है?

(v) अंतिम पंक्तियों में गोपियों ने स्वयं को 'अबला' और 'भोली' क्यों कहा है?

प्रश्न 12. निम्न प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए। **2×5=10**

(क) गोपियों ने किन-किन उदाहरणों के माध्यम से उद्धव को उलाहने दिए हैं?

(ख) अपनी आत्मकथा लिखना कवि को गुदड़ी की सीवन उधेड़ने जैसा क्यों लगता है?

(ग) कवि की आँख फाल्गुन की सुंदरता से क्यों नहीं हट रही है?

(घ) बच्चे की मुसकान और एक बड़े व्यक्ति की मुसकान में क्या अंतर है?

(ङ) 'मन की मन ही माँझ रही' में गोपियों के द्वारा किस जीवन-सत्य का बोध होता है?

प्रश्न 13. 'माता का अँचल' पाठ में भोलानाथ द्वारा चूहे के बिल में पानी डालना बच्चों की किस मनोवृत्ति को प्रकट करता है? क्या यह उचित है? पशु-पक्षियों के संरक्षण के उपाय भी बताइए। **5**

खंड 'घ'

प्रश्न 14. नीचे दिए गए संकेत बिंदु के आधार पर किसी एक विषय पर निबंध लिखिए। **10**

(क) भ्रष्टाचार

संकेत-बिंदु: • भ्रष्टाचार की पृष्ठभूमि •भ्रष्टाचार के विविध रूप •भ्रष्टाचार के कारण •भ्रष्टाचार देश के विकास में बाधा।

(ख) सत्संगति सब विधि हितकारी

संकेत-बिंदु: •सत्संगति का अभिप्राय •सुसंगति और कुसंगति के अच्छे-बुरे परिणाम •सत्संगति हितकारी कैसे? सुसंगति की प्राप्ति और कुसंगति को छोड़ने के उपाय • सुसंगति सब सुखों का मूल।

(ग) भारत-पाक संबंध

संकेत-बिंदु: • भारत-पाक के जटिल संबंध • पाकिस्तान का इतिहास •पाकिस्तान की भारत-विरोधी नीति •पाकिस्तान षड्यंत्र •भारत के शांति-प्रयास।

प्रश्न 15. किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखकर बताइए कि आप अपने जिले की समस्याएँ सड़कें, यातायात व्यवस्था, भवन, चिकित्सा आदि कैसे सुधार सकते हैं। **5**

अथवा

प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए, जिसमें अपनी स्थिति का संक्षिप्त विवरण देते हुए शुल्क मुक्ति के लिए प्रार्थना की गई हो।

प्रश्न 16. निम्नलिखित गद्यांश का सार अपने शब्दों में लिखिए। **5**

भिखारी की भाँति गिड़गिड़ाना प्रेम की भाषा नहीं है। यहाँ तक कि मुक्ति के लिए भगवान की उपांसना करना भी अधम उपासना में गिना जाता है। प्रेम कोई पुरस्कार नहीं चाहता। प्रेम सर्वथा प्रेम के लिए ही होता है। भक्त इसलिए प्रेम करता है कि बिना प्रेम किए वह रह ही नहीं सकता। जब तुम किसी मनोहर प्राकृतिक दृश्य को देखकर उस पर मोहित हो जाते हो, तो उस दृश्य से तुम किसी फल की याचना नहीं करते और न वह दृश्य ही तुमसे कुछ माँगता है। फिर भी उस दृश्य का दर्शन तुम्हारे मन को बड़ा आनंद देता है। वह तुम्हारे मन को शांत कर देता है और तुम्हें अपनी नश्वर प्रवृत्ति से ऊपर उठाकर एक स्वर्गीय आनंद से भर देता है। अतः अपने प्रेम के बदले में कुछ मत माँगो।